INTERMEDIATE EXAMINATION – 2021 (ANNUAL)

Sl. No. – 108/208

Maithili (opt.) (Model Set)

(मैथिली)

[Time : 03 Hrs. 15 Minutes] **[Full Marks : 100]**

Total number of questions – 100 + 20 =120

I.Sc. & I.Com – MAITHILI (OPT)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
4. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
5. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना है। यदि कोई परीक्षार्थी द्वारा 50 से अधिक प्रश्नों के उत्तर देते हैं तो प्रथम 50 प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर उपलबध कराये गये OMR–उत्तर पत्रक में दिये गए सही वृत्त को काले/नीले बॉल पेन से भरें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
6. खण्ड–ब में कुल 20 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित है।
7. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक–यंत्र का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR–शीट पर चिह्नित करें।

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी लिपि में लिखू।

निम्नलिखित बहुवैकल्पिक उत्तर मे कोनों 50 टाक सही उत्तर लिखू –(50x1=50)

1. 'ऋतु–वर्णना' क रचनाकार छथि –

   A. म0 म0 सर गंगानाथ झा
   B. म0 म0 परमेश्वर झा
   B. मनमोहन झा
   D. ज्योतिरीश्वर

2. 'ललका पाग' क विधा थिक :

   A. नाटक
   B. कथा
   B. उपन्यास
   D. निबन्ध

3. 'राष्ट्रीय एकताक महत्व' क लेखक छथि –

   A. प्रबोध नारायण सिंह
   B. मायानन्द मिश्र
   C. कुमार गंगानन्द सिंह
   D. मनमोहन झा

4. कोइलीक कलरव परिचायक थिक :

   A. ग्रीष्म ऋतु
   B. वर्षा ऋतु
   C. शिशिर ऋतु
   D. वसन्त ऋतु

5. 'सीमन्तिनी' कथाक कथाकार छथि :

   A. उषा किरण खान
   B. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

C. म0 म0 परमेश्वर झा

D. जगदीश चन्द्र झा

6. 'हाथीक दाँत' एकांकीक एकांकीकार छथि :

A. प्रबोध नारायण सिंह

B. ललित

C. जगदीश चन्द्र झा

D. भाग्य नारायण झा

7. राजकमल चौधरीक निधन भेलन्हि

A. 1965 ई0 मे

B. 1966 ई0 मे

C. 1967 ई0 मे

D. 1968 ई0 मे

8. भीमनाथ झाक निबन्ध अछिः

A. अधोगति

B. राष्ट्रीय एकताक महत्त्व

C. मैथिली साहित्य मे नचारी

D. मैथिली निबन्ध साहित्यक रूपरेखा

9. 'रूना' क कथाकार छथि :

A. प्रभास कुमार चौधरी

B. राजकमल चौधरी

C. मनमोहन झा

D. ललित

10. भाग्य नारायण झाक रचना अछि :

A. ओवरलोड

B. डॉ0 सर सी0 वी0 रमण

C. बाबी

D. हाथीक दाँत

11. 'कुसुम–वदना' क रचयिता छथि :

A. पं0 गोविन्द झा

B. सोमदेव

C. गोविन्ददास

D. हर्षनाथ झा

12. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' क रचना अछि :

A. छुतहर
B. चिनगी
C. आवाहन
D. शरद–संगीत

13. 'नूतन स्वर' कविताक रचयिता छथि :

A. पं0 गोविन्द झा
B. लालदास
C. मार्कण्डेय प्रवासी
D. मन्त्रेश्वर झा

14. गोविन्ददासक रचना अछि :

A. चिनगी
B. छुतहर
C. विद्यापति–वन्दना
D. आवाहन

15. 'बाढ़िक हकरोस' शीर्षक कविताक रचयिता छथि :

A. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
B. आरसी प्रसाद सिंह
C. हर्षनाथ झा
D. सोमदेव

16. 'काननेे कुसुम तोड़सि किए गोरी। कुसुमहि निरमित सब तनु तोरी।।' कविताक पाँती अछि

A. 'सोहर' मे
B. 'चिनगी' मे
C. 'बाल–लीला' मे
D. 'कुसुम–वदना' मे

17. गोविन्ददासक जन्म भेल छलः

A. पन्दरहम शताब्दी मे
B. सोलहम शताब्दी मे
C. सतरहम शताब्दी मे
D. अठारहम शताब्दी मे

18. 'बाल–लीला' शीर्षक कविता मे वर्णन अछि :

A. श्री रामक
B. श्री कृष्णक
C. श्री विष्णुक
D. श्री गणेशक

19. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' क कविताक नाम अछि :

A. जानकी–परिणय
B. सोहर
C. शरद–संगीत
D. छुतहर

20. 'सोहर' कविताक रचयिता छथि –

A. हर्षनाथ झा
B. मनबोध
C. सोमदेव
D. लालदास

21. मार्कण्डेय प्रवासीक कविता अछि :

A. हम संस्कृति भारतवर्षक
B. गोबर थिकहुँ हम
C. अग्रतः सकलं शास्त्रं पृष्ठतः सशरं धनुः
D. बाढ़िक हकरोस

22. 'मनुक्खक जीवन' कविताक रचयिता छथि :

A. आरसी प्रसाद सिंह
B. मन्त्रेश्वर झा
C. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
D. लालदास

23. सेमदेवक रचना अछिः

A. उठह कृषक
B. नूतन स्वर
C. आवाहन
D. कुसुम–वदना

24. 'हम संस्कृति भारतवर्षक' शीर्षक कविताक रचनाकार छथि :

A. काञ्चीनाथ झा 'किरण'
B. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

C. पं0 गोविन्द झा

D. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

25. बैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' क रचना अछि :

A. चिनगी

B. सोहर

C. बाल–लीला

D. गोबर थिकहुँ हम

26. 'आवाहन' कविता छनि :

A. हर्षनाथ झा क

B. मनबोध क

C. लालदास क

D. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' क

27. काञ्चीनाथ झा 'किरण' क रचना अछि

A. विद्यापति–वन्दना

B. बाढ़िक हकरोस

C. चिनगी

D. छुतहर

28. 'जानकी–परिणय' संगृहीत अछि

A. 'रामचरित मानस' मे

B. 'सीतायन' मे

C. 'जानकी रामायण' मे

D. 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' मे

29. म0 म0 सर गंगानाथ झाक निबन्ध अछि

A. मैथिली साहित्य मे नचारी

B. अधोगति

C. मैथिली निबन्ध साहित्यक रूपरेखा

D. राष्ट्रीय एकताक महत्त्व

30. 'टुटैत कीलक जाँत' क रचयिता छथि :

A. जगदीश चन्द्र झा

B. ललित

C. मायानन्द मिश्र

D. राजकमल चौधरी

31. 'विद्यार्थी' केर सन्धि–विच्छेद होएत :

A. विद्य + अर्थी
B. विद्या + अर्थी
C. व्द्या + आर्थी
D. विद्य + आर्थी

32. 'उज्ज्वल' केर सन्धि–विच्छेद होइछ :

A. उज + ज्वल
B. उज्ज + वल
C. उत् + ज्वल
D. उ + जल

33. 'निराधार' केर सन्धि–विच्छेद होएतः

A. निर + आधार
B. निरा + धार
C. निः + आधार
D. निरा + आधार

34. 'अद्य + अविध' केर सन्धि होइछः

A. अद्यअवधि
B. अद्यःवधि
C. आद्यवधि
D. अद्यावधि

35. 'सत्याग्रह' केर सन्धि–विच्छेद होएतः

A. सत्या + ग्रह
B. सत्य + ग्रह
C. सत्य + आग्रह
D. सत् + आग्रह

36. 'चक्रपाणि' समास अछिः

A. तत्पुरूष
B. द्वन्द्व
C. बहुब्रीहि
D. एहिमे कोनो नहि

37. 'दानवीर' समास अछि :

A. बहुब्रीहि
B. तत्पुरूष
C. द्वन्द्व
D. एहिमे कोनो नहि

38. 'पोखरि–इनार' समास अछिः

A. द्वन्द्व
B. बहुब्रीहि
C. तत्पुरूष
D. एहिमे कोनो नहि

39. वर्णक मेल कहबैछः

A. सन्धि
B. समास
C. उपसर्ग
D. प्रत्यय

40. पदक मेल होइछः

A. उपसर्ग
B. प्रत्यय
C. सन्धि
D. समास

41. ओ शब्दांश जे शब्दक पहिने लागए, कहबैछ :

A. तद्धित
B. कृदन्त
B. उपसर्ग
D. प्रत्यय

42. ओ शब्दांश जे शब्दक बाद लागए, कहबैछः

A. उपसर्ग
B. प्रत्यय
B. तद्धित
D. कृदन्त

43. 'पक्ष' केर विपरीतार्थक शब्द होएतः

A. सापेक्ष
B. निरपेक्ष
C. अनापेक्ष
D. विपक्ष

44. 'कोमल' केर विलोम शब्द थिकः

A. अनउपजाऊ
B. ऊसर
C. उर्वर
D. कठोर

45. 'सुख' केर विलोम शब्द होएतः

A. विषाद
B. अवनति
C. दुःख
D. निग्रह

46. 'सूर्य' केर पर्यायवाची शब्द थिकः

A. हुताशन
B. आदित्य
C. अविनाशी
D. अवनि

47. 'जगत्' केर पर्यायवाची शब्द होएतः

A. भव
B. सदन
C. दिव्यलोक
D. वसुन्धरा

48. 'अविराम' केर अर्थ होइछः

A. अभिराम
B. अविलम्ब
C. निरन्तर
D. अविनीत

49. 'तरणी' केर अर्थ होइछः

A. नाव
B. तारणी
C. तरूणी
D. कामिनी

50. 'परि लागब' केर अर्थ थिकः

A. स्वार्थ सिद्ध करब
B. अनायास प्राप्त होएब
C. जमा करब
D. धन हरण करब

51. 'आँखि लागब' केर अर्थ होइछः

A. निन्न पड़ब
B. नजरि लगाएव
C. ईर्ष्या करब
D. इशारा करब

52. 'नाक रगड़ब' केर अर्थ होइछः

A. समर्पण करब
B. हारि मानब
C. बेकार रहब
D. प्रार्थना करब

53. 'गाल फुलायब' केर अर्थ थिकः

A. कष्ट भोगब
B. आकुल होयब
C. रूसि रहब
D. अशान्त होएब

54. 'कान' केर पर्यायवाची शब्द होएत :

A. गात
B. दृग
C. तन
D. कर्ण

55. 'प्रसून' केर अर्थ होइछः

A. पंकज
B. सुमन
C. विपिन
D. विटप

56. 'कानन' केर समानार्थी शब्द थिक :

A. कामिनी
B. बोन
C. द्रुम
D. पुहूप

57. 'आनन' केर समानार्थी शब्द होइछः

A. चपला
B. विधु
C. मुख
D. दृग

58. 'नयन' के समानार्थी शब्द होएतः

A. आँखि
B. नलिन

C. मिहिर D. चपला

59. 'कुंजर' केर शब्दार्थ थिक :

A. हाथी B. बाजि

C. तुरंग D. नाहर

60. 'रमा' केर शब्दार्थ होइछः

A. सरस्वती B. लक्ष्मी

C. कामिनी D. भामिनी

61. 'वाक्य' क भेद होइछ –

A. तीन B.चारि

C. पाँच D. छओ

62. उत्पत्तिक दृष्टि सँ शब्दक भेद होएत –

A. चारि B. पाँच

C. छओ D. सात

63. 'चश्मा' शब्द–भेदक अन्तर्गत अछि –

A. देशज B. विदेशज

C. तत्सम D. तद्भव

64. 'ई' वर्णक उच्चारण स्थान अछि –

A. कंठ B. तालु

C. मूर्द्धा D. दन्त

65. क्रियाक मुख्य भेद अछि –

A. तीन B. चारि

C. पाँच D. छओ

66. 'राम पोथी पढ़ि रहल अछि' वाक्य काल–भेदक अन्तर्गत अबैछ –

A. वर्त्तमान काल B. भूतकाल

C. भविष्यत् काल D. अपूर्ण भविष्यत् काल

67. 'रजनी + ईश = रजनीश' सन्धि–भेदक अन्तर्गत अबैछ –

A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि

C. विसर्ग संधि D. यण संधि

68. 'दाँत निपोड़ब' क अर्थ होइछ –

A. दीनता प्रकट करब B. प्रतिष्ठा गमायब

C. बहाना बनाएब D. स्वार्थ सिद्ध करब

69. 'पानि राखब' क अर्थ होइछ –

A. प्रतिष्ठा राखब B. विश्वास राखब

C. प्रार्थना करब D. समर्पण करब

70. 'गराक घेघ' क अर्थ अछि –

A. भार भेनाइ B. कष्टक समय आएब

C. दुःख बढ़ाएब D. आकस्मिक विपत्ति

71. 'सम्मुख' क विपरीतार्थक शब्द होएत –

A. विमुख B. दुर्मुख

C. विराग D. विग्रह

72. 'चेतन' क विपरीतार्थक शब्द होइछ –

A. अचेतन B. अवचेतन

C. अनाहत D. अनागत

73. 'कुबेर' क पर्यायवाची शब्द होएत –

A. धनाधिप B. अमर्त्य

C. पुरंदर D. अवनीश

74. 'हनुमान' क पर्यायवाची शब्द होइछ –

A. पवनसुत B. बाहुबली

C. पञ्चमुख D. कोविद

75. 'बताह' क स्त्रीलिंग होएत –

A. बताहि B. बताहिन

C. बतहनी D. बतहिनिया

76. 'हे छात्र! अहाँ मोन सँ पढू।' एतय कारकक भेद अछि –

A. कर्त्ताकारक B. कर्मकारक

C. सम्प्रदानकारक D. सम्बोधनकारक

77. 'अरण्य' क पर्यायवाची शब्द होइछ –

A. कानन B. व्योम

C. निम्नगा D. शैल

78. 'शारदा' क पर्यायवाची शब्द होएत –

A. वीणापाणि B. कामिनी

C. लोकमाता D. आर्या

79. 'जे आएल अछि' क एक शब्द होइछ –

A. आगत B. अभ्यागत

C. अनागत D. प्रत्यागत

80. 'जे देखल नहि गेल अछि' क एक शब्द होएत –

A. अदृष्ट B. अदृश्य

C. दृश्य D. दृष्टि

81. 'दूर्वाक्षत' (उपन्यास) क रचनाकर छथि –

A. उषाकिरण खान B. मायानन्द मिश्र

C. प्रभास कुमार चौधरी D. ललित

82. 'विश्वामित्र' (महाकाव्य) क प्रणेता छथि –

A. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' B. काञ्चीनाथ झा 'किरण'

C. आरसी प्रसाद सिंह D. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'

83. सोमदेवक 'होटल अनारकली' (उपन्यास) प्रकाशित भेल –

A. 1969 ई0 मे B. 1970 ई0 मे

C. 1972 ई0 मे D. 1975 ई0 मे

84. 'ओझा लेखें गाम बताह' (व्यंग्य) क रचनाकार छथि–

A. मन्त्रेश्वर झा B. हरिमोहन झा

C. तंत्रनाथ झा D. भीमनाथ झा

85. 'विद्यापति क आत्मकथा' (उपन्यास) क रचयिता छथि –

A. पं0 गोविन्द झा B. मधुप

C. किरण D. भुवन

86. वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' क जन्म स्थान अछि –

A. बिरौल B. तरौनी

C. रांटी D. जितवारपुर

87. आरसी प्रसाद सिंह प्राध्यापक छलाह –

A. कोशी कॉलेज, खगड़िया मे B. सी0 एम0 कॉलेज, दरभंगा मे

C. आर0 के0 कॉलेज, मधुबनी मे D. समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुर मे

88. 'चन्द्रग्रहण' (लघु उपन्यास) क रचयिता छथि –

A. किरण B. भुवन

C. अमर D. मधुप

89. 'अपूर्व रसगुल्ला' (गीत काव्य) क रचना कएलनि अछि –

A. मधुप B. सीताराम झा

C. पं0 गोविन्द झा D. सुमन

90. लालदास क जन्म स्थान छनि –

A. खड़ौआ B. बेलाराही

C. उजान D. रैयाम

91. डॉ0 सी0 वी0 रमण कैं 'नोबेल पुरस्कार' भेटलनि –

A. 1930 ई0 मे B. 1932 ई0 मे

C. 1934 ई0 मे D. 1948 ई0 मे

92. 'हमरा लग रहब?' (उपन्यास) क लेखक छथि –

A. प्रभास कुमार चौधरी B. मनमोहन झा

C. ललित D. राजकमल चौधरी

93. मायानन्द मिश्र प्राध्यापक छलाह –

A. सहरसा कॉलेज, सहरसा मे B. कोशी कॉलेज, खगड़िया मे

C. पूर्णिया कॉलेज, पूर्णिया मे D. जी0 डी0 कॉलेज, बेगूसराय मे

94. 'प्रतिनिधि' (कथा संग्रह) लिखलनि अछि –

A. ललित B. उषाकिरण खान

C. मनमोहन झा D. राजकमल चौधरी

95. 'आदिकथा' (उपन्यास) लिखलनि अछि –

A. राजकमल चौधरी B. प्रभास कुमार चौधरी

C. मनमोहन झा D. ललित

96. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' प्राध्यापक छलाह –

A. मिल्लत कॉलेज, दरभंगा मे B. कुंवर सिंह कॉलेज, दरभंगा मे

C. मारवाड़ी कॉलेज, दरभंगा मे D. सी0 एम0 कॉलेज, दरभंगा मे

97. 'हाथीक दाँत' मे नेताजी क पुत्री छथिन :

A. बिजली B. सुमित्रा

C. रोहिणी D. जयन्ती

98. मनमोहन झाक जन्म–स्थान अछि –

A. सरिसव B. उजान

C. लोहना D. धर्मपुर

99. 'जीवनक भट्ठी मे जरि जाइत छैक आत्मा' – उक्ति छनि –

A. मन्त्रेश्वर झाक B. मार्कण्डेय प्रवासीक

C. सोमदेवक D. पं0 गोविन्द झाक

100. 'अग्रतः सकलं शास्त्रं पृष्ठतः सशरं धनुः' रचना छनि

A. मार्कण्डेय प्रवासीक

B. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' क

C. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' क

D. आरसी प्रसाद सिंह क

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित मे कोनो पाँच लघुउत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (5 X 2 = 10)

1. विरहिणी पर कामदेव क प्रभाव कोन ऋतु में होइत अछि ?
2. चित्रवर्मा के छथि ?
3. 'नचारी' ककरा कहल जाइछ ?
4. 'बड़ा दिनक धूमधाम' शीर्षक मे कोन क्षेत्रकेँ लेखक लंदनक आत्मा कहलनि अछि?
5. डॉ0 सर सी0 वी0 रमण व्याख्यानक क्रम मे कोन–कोन देशक भ्रमण कयलनि?
6. मनुक्खक आत्मा कथीक भट्ठी मे जरैत अछि?
7. शरदक चान किएक प्रसिद्ध अछि?
8. 'उठह कृषक' कविता क आधार पर प्रातःकालक वर्णन करू।
9. गोबर की विनती करैत अछि ?
10. की मनुक्ख अपन जीवन जीवैत अछि ?

निम्नलिखित कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (3 X 5 = 15)

11. मिथिलाक अधोगतिक संदर्भ मे लेखक कोन तरहेँ विचार कयलनि अछि?
12. एकता आ राष्ट्रक शक्ति मे अभिन्न सम्बन्ध कोना अछि ?

13. 'ओवलोड' कथाक सारांश लिखू।

14. 'कुसुम–वदना' कविता क आशय लिखू।

15. कृष्ण–जन्मक उपरान्त देवतालोकनिक हर्षक वर्णन करू।

16. 'छुतहर देखि लोक घृणा किएक करैत अछि ?

17. निम्नलिखित मे कोनो एक विषय पर निबन्ध लिखू – (1X8=8)

(क) कोनो प्रिय साहित्यकार

(ख) संचार–क्रान्ति

(ग) दहेज प्रथा

(घ) गणतंत्र दिवस

(ड.) मिथिलाक कोनो पावनि

18. निम्नलिखित मे कोनो दूटाक सप्रसंग व्याख्या करू – (2 X 4 = 8)

(क) ''भेल ततय आरम्भ विवाह। रामचन्द्र मण्डप अयलाह।।

अयलिह पुनि तहँ जनकदुलारि। संग सुवासिनि गबयित नारि।।''

(ख) ''मुदित कृषक शरदक आँगन मे रोपि लेलक अछि धान

शरदक शोभा आइ गगनकेर कते बढ़ौलक शान''

(ग) ''तिरू आँखिक नोर आँचर सँ पोछैत बजलीह–अहाँ विआह करब तँ हमरा दुःख किएक होयत। एहन किएक बिचारैत छी? अहींक सुख तँ हमरो सुख थीक।''

(घ) ''विशेष पता लागल हो की नहि, किन्तु एतबा तँ अवश्य बुझल जे अहाँ हमरे गामक जमाय भ' हमरहि ठकैत छलहुँ अछिआ कोनो अज्ञात कारणें रूसि कैं गाम सँ चल आयल छी।''

19. आपन मित्रक नामसँ एक पत्र लिखू, जाहि मे राजगृह मे मलमास मेला क वर्णन हो। (1x5=5)

अथवा

प्रधानाचार्य केँ एक आवेदन लिखू, जाहि मे विद्यालय मे छात्रसंघक चुनाओ करयबाक निवेदन हो।

20. संक्षेपण करू :– (1x4=4)

''तिरू बड्ड सोझ छलीह। स्वभावसँ लजकोटरि आ चञ्चल सेहो। चुप्पे रहि सभ किछु सहैत रहयवाली। तिरू भोरे उठि स्वामी आ सुसरक हेतु चाह बनाबथि, फेर भानस–भात करथि, फेर पूजा–गृह नीपथि–पोतथि, सासुक पयर जाँतथि आर फेर भनसा घर वा कतहु, कोनो कोन मे कनैत, छटपटाइत सूति रहथि। इएह थिक मैथिल स्त्रीक जीवन।''

अथवा

''सत्यक सदा जीत होइत छैक। हमर समाज सत्यहि पर टिकल अछि। तेँ हम कहैत छी जे हमरालोकनिक जीवनमे मिथ्या कथमपि नहि आबय। आडम्बर एवं छल–प्रपंचसँ सय योजन दूर रहबाक चाही।''